



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 12-2025] CHANDIGARH, TUESDAY, MARCH 25, 2025 (CHAITRA 4, 1947 SAKA)

## PART-I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 13 मार्च, 2025

**संख्या 12/250-2024/पुरा/1420-28.**— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250-2024/पुरा/4032-39, दिनांक 25 नवम्बर, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:—

#### अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव / शहर का नाम	तहसील / जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा / किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
गुमट बिहारी स्थित गुम्बद 18वीं शताब्दी	गुमट बिहारी स्थित गुम्बद 18वीं शताब्दी	गुमट बिहारी	नगीना नूह	लाल डोरा	11644 वर्गफुट पूर्व- 82 फुट पश्चिम- 82 फुट उत्तर- 63 फुट दक्षिण- 79 फुट	ग्राम पंचायत	यह मकबरा चौकोर वास्तुनक्शा पर बनाया गया है, जो पठान वास्तुकला की एक लोकप्रिय शैली है। यह मकबरा शैली में अद्वितीय है, जिसकी ऊपरी संरचना के लिए मंच के रूप में एक विशाल मेहराबदार तहखाना है। इसमें ऊँचे बल्बाकार गुंबद की परिधि के चारों ओर बुर्ज भी हैं, जिसमें एक अष्टकोणीय ड्रम आधार के ऊपर कमल कलश बनाया गया है। मकबरे के बाहरी हिस्से को ईंटों से सविस्तार में सजाया गया है, जिसमें मेहराबदार दरवाजे और पैरापेट के साथ दरवाजे के स्तर से ऊपर की जगहें हैं।

कला रामचंद्रन,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

**HARYANA GOVERNMENT**  
**HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT**

**Notification**

The 13th March, 2025

**No. 12/250-2024/pura/1420-28.**— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-2024/pura/4032-39, dated the 25th November, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

**SCHEDULE**

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Gumbad at Gummat Bihari, 18th Century CE	Gumbad at Gummat Bihari, 18th Century CE	Gummat Bihari	Nagina Nuh	Lal dora	11644 sq.ft. East- 82ft. West- 82ft. North- 63 ft. South- 79 ft.	Gram Panchayat	The tomb is built on a square plan, a popular style of Pathan architecture. The tomb is unique in style having a huge arched basement as platform for the upper structure. It has also turrets along the circumference of high bulbous dome with a lotus finial resting on an octagonal drum-base. The exterior of the tomb is decorated and detailed in brickwork, with niches above door level along with arched doorways and parapet.

KALA RAMACHANDRAN,  
Principal Secretary to Government, Haryana,  
Heritage and Tourism Department.